वट वृक्ष – 3

उत्तर पुस्तिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

1 नन्हा पौधा

(अभ्यास-उत्तर)

Page-8 (मौखिक)

(क) प्रस्तुत कविता नन्हे पौधे पर अधारित है।

(ख) कविता के कवि का नाम 'वेंकटेशचंद्र पांडेय' है।

(ग) नन्हा पौधा बीज के अंदर सोया हुआ था।

Page-9

(लेखनी)

1. (क) हवा ने पौधे को जगा दिया।

   (ख) सूरज ने पौधे से कहा कि तुम अपनी निद्रा दूर भगाकर अलसाई आँखें खोलो और उठकर बाहर आओ।

   (ग) बाहर आने पर पौधे ने अद्‌भुत संसार देखा।

2. (क) अ (ख) ब
   (ग) अ

3. (क) सूरज बोला, "प्यारे पौधे
   निद्रा दूर भगाओ।
   अलसाई आँखें खोलो तुम
   उठकर बाहर आओ।"

   (ख) आँख खोलकर, नन्हे पौधे
   ने तब ली अँगड़ाई।
   एक अनोखी नई शक्ति-सी
   उसके तन में आई।

4. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

'नन्हा-पौधा' कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें आलस नहीं करना चाहिए क्योंकि आलस करने वाला व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता। हमें नव-जीवन का स्वागत करना चाहिए।

Page-10

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) अलसाई - अ + ल् + अ + स् + आ + ई

   (ख) अनोखी - अ + न् + ओ + ख् + ई

   (ग) त्यागकर - त् + य् + आ + ग् + अ + क् + अ + र् + अ

   (घ) पवन - प् + अ + व् + अ + न् + अ

2. (क) संसार (ख) अँगड़ाई
   (ग) मंद (घ) हँसना
   (ङ) आँख (च) अंदर

3. (क) एक अनोखी नई शक्ति-सी
   (ख) उस पर जल बरसाया
   (ग) एक बीज था गया बहुत ही
   (घ) अलसाई आँखें खोलो तुम

(मन की बात)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

2 पिकनिक

(अभ्यास-उत्तर)

Page-14 (मौखिक)

(क) हाँ, हम स्कूल की तरफ से पिकनिक गए हैं।

(ख) अभय बहुत अच्छा बालक था।

(ग) सभी बच्चे पिकनिक पर रुद्रकूट जा रहे थे।

(घ) विद्यार्थियों द्वारा शोर मचाने से ड्राइवर को पीछे से आने वाली गाड़ियों की आवाज़ सही से न सुन पाने की परेशानी हो सकती थी।

(ङ) अभय को रेलवे क्रॉसिंग आता दिखाई दिया तो उसने ड्राइवर को याद दिलाया कि वह रुककर एक बार देख लें। जैसे ही ड्राइवर ने बस रोकी तभी एक ट्रेन बड़ी तेज़ गति से वहाँ से गुजरी। इस तरह अभय ने दुर्घटना होने से रोक दी।

(लेखनी)

1. (क) अभय को सब इसलिए पसंद करते थे, क्योंकि वह एक समझदार और अच्छा लड़का था।

(ख) सब बच्चे अधिक मौज़-मस्ती करना चाहते थे।

(ग) बस में पानी, खाने का कुछ सामान तथा प्राथमिक चिकित्सा का डिब्बा रखा गया।

(घ) अध्यापक ने बच्चों से कहा कि कोई भी बच्चा दूर नहीं जाएगा, सभी गरम कुंड में किनारे पर ही नहाएँगे। कोई भी ऐसा खेल न खेलें, जिसमें खतरा हो। पिकनिक के स्थान पर गंदगी बिलकुल न फैलाई जाए।

(ङ) अभय की सावधानी से यह लाभ हुआ कि सभी बच्चे सुरक्षित रहे और किसी को कोई नुकसान नहीं पहुँचा।

Page-15

2. (क) शनिवार (ख) रुद्रकूट
(ग) गरम कुंड (घ) यातायात
(ङ) पिकनिक

3. (क) ☹ (ख) ☺
(ग) ☹ (घ) ☺

(जीवन-मूल्य)

हाँ, जब हम सड़क पर चलते हैं तो नियमों का पालन करते हैं, क्योंकि नियम हम सबकी सुरक्षा के लिए बनाए जाते हैं।

हमें लाल बत्ती होने पर ही सड़क पार करनी चाहिए और हमें हमेशा सड़क पर बने फुटपाथ पर ही चलना चाहिए।

Page-16

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) ड्राइवर (ख) क्रॉसिंग
(ग) दुर्घटना (घ) सावधानी
(ङ) कार्यक्रम (च) प्राथमिक

2. (क) चिड़िया आई पर ये क्या, उसने तो एक भी दाना नहीं खाया।

(ख) प्रधानाचार्य जी ने पिकनिक पर जाने की आज्ञा दे दी थी।

(ग) बच्चे खुशी-खुशी बस में सवार हो गए।

(घ) पिकनिक के स्थान पर गंदगी न फैलाई जाए।

(ङ) अभय आगे जाकर ड्राइवर के केबिन वाली सीट पर बैठ गया।

3. (क) बकरा (ख) पत्नी

(ग) चुहिया (घ) सेठ

(ङ) मामी

(मन की बात)

मॉनीटर बनने के लिए निम्नलिखित विशेषताएँ अनिवार्य हैं–

1. वह कक्षा के सभी विद्‍यार्थियों को साथ लेकर चले।
2. वह खुद भी अनुशासन में रहे और कक्षा के सभी विद्‍यार्थियों को अनुशासन में रखे।
3. वह अध्यापिका और विद्‍यार्थियों की सभी ज़रूरतों का ध्यान रखे।
4. वह कक्षा में सभी विद्‍यार्थियों के साथ विनम्रता से पेश आए।

Page-17

(हँसते गाते)

विद्‍यार्थी स्वयं करें।

3 राखी का मूल्य

(अभ्यास-उत्तर)

Page-23 (मौखिक)

(क) कर्मवती स्वर्गीय महाराणा साँगा की पत्नी थी।

(ख) रानी कर्मवती ने वीरों को यह प्रतिज्ञा करने के लिए कहा कि प्राण रहते वे मेवाड़ की पताका को झुकने न देंगे।

(ग) कर्मवती ने हुमायूँ को राखी भेजने का निश्चय किया।

(लेखनी)

1. (क) रानी कर्मवती ने हुमायूँ को राखी इसलिए भेजी क्योंकि बहादुरशाह ने मेवाड़ पर चढ़ाई की हुई थी और रानी किसी भी हालात में मेवाड़ को बहादुरशाह के हाथों में नहीं जाने देना चाहती थी।

(ख) बाघसिंह ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि दुश्मनों के मुकाबले उनकी संख्या बहुत कम थी और उस पर शत्रुओं का तोपखाना उनके सैनिकों पर आग उगल रहा था जिसका मुकाबला तलवारों से नहीं हो सकता था।

(ग) हुमायूँ को राखी भेजने में बाधा हुमायूँ का मुसलमान तथा कर्मवती का हिंदू होना था।

(घ) रानी कर्मवती की राखी पाकर हुमायूँ ने यह निर्णय लिया कि

मेवाड़ की इज़्ज़त अब मेरी इज़्ज़त है। हुमायूँ ने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वह दुनिया को बता देना चाहता था कि हिंदुओं के रस्मो-रिवाज़ मुसलमानों के लिए भी उतने ही प्यारे तथा पाक हैं।

Page-24

2. (क) तातारखाँ ने हुमायूँ से कहा।
(ख) जवाहरबाई ने कर्मवती से कहा।
(ग) हुमायूँ ने तातारखाँ से कहा।
(घ) बाघसिंह ने रानी कर्मवती से कहा।

3. (क) राखियाँ (ख) शक्ति
(ग) वैर-भाव (घ) वरदान, भस्म
(ङ) हिफ़ाज़त (च) सच्चाई

(जीवन-मूल्य)

राखी के रिश्ते के लिए रक्षा का गुण आवश्यक है।

Page-25-26 (भाषा-ज्ञान)

1.

स्त्रीलिंग	**पुल्लिग**
पत्नी	क्षत्रिय
राखी	राजपूत
प्रतीक्षा	समय
देवी	वीर
तितली	चौधरी
घड़ी	पेड़
गाय	डिब्बा
	सलाह
	नौकर

2. (क) एकवचन (ख) बहुवचन
(ग) बहुवचन (घ) एकवचन
(ङ) एकवचन (च) बहुवचन

3. (क) पुरुषवाचक सर्वनाम ✓
(ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम ✓
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम ✓
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम ✓

Page-26

(मन की बात)

1. विद्‌यार्थी स्वयं करें।
2. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

4 जीवन का मूलमंत्र

(अभ्यास-उत्तर)

Page-30 (मौखिक)

(क) रमा नेहा को इसलिए डाँट रही थी क्योंकि वह हर काम को जल्दी करने की कोशिश में लगी रहती थी।
(ख) नानी ने नेहा को एक होनहार बालक की कहानी सुनाई।
(ग) छोटा बालक अपने पिताजी की मदद करता था।
(घ) दुकानदार ने छोटे बालक को

सलाह दी कि सामने बाज़ार में एक दुकान की जगह खाली है। चाहो तो तुम वहाँ पर अपनी दुकान खोल सकते हो।

(लेखनी)

1. (क) माँ ने नेहा को समझाया कि बेटा खाना धीरे-धीरे चबाकर खाया करो और हर काम को ध्यान से किया करो। ऐसा करने से तुम सब अच्छे से कर पाओगी।

(ख) पिताजी ने उसे सीख दी कि, काम चाहे जितना भी आ जाए उसे बड़े आराम से करना। लड़के ने इस सीख को अपना मूलमंत्र बना लिया था।

Page-31

(ग) बालक की माँ ने उससे कहा, "बेटा तुम नए जूते क्यों नहीं बनाते? तुम्हारे बनाए जूते मज़बूत होंगे। तुम्हारा काम अच्छा है, लोग तुम्हारे बनाए जूते खुशी-खुशी खरीद लेंगे।"

(घ) प्रस्तुत कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें हर काम ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ करना चाहिए।

2. (क) स (ख) अ
(ग) स (घ) अ

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-32-33

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) (iii) (ख) (iv)
(ग) (i) (घ) (v)
(ङ) (ii)

2. (क) तीन (ख) मीठा
(ग) तीसरी (घ) लाल
(ङ) गोल

3. (क) विदुषी (ख) छात्रा
(ग) शिष्या (घ) श्रीमती
(ङ) मालिन (च) पुत्री

4. (क) सच्ची – स् + अ + च् + च् + ई
(ख) जल्दी – ज् + अ + ल् + द् + ई
(ग) छुट्टी – छ् + उ + ट् + ट् + ई
(घ) अच्छा – अ + च् + छ् + आ
(ङ) बिस्तर – ब् + इ + स् + त् + अ + र् + अ

Page-33 (मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते गाते)

प्रस्तुत चित्र में बताया गया है कि एक छोटा बालक छुट्टी के दिन अपने पिताजी के साथ काम पर उनकी मदद करने जाता था। वह पूरी मेहनत और लगन के साथ काम को सीखता था। जब वह बड़ा होने लगा, तब उसने पेड़ के नीचे अपनी एक दुकान खोल ली। धीरे-धीरे उसके काम की प्रशंसा होने लगी। फिर छोटे बालक ने सामने बाज़ार में अपनी एक दुकान खोली, उसने अपनी दुकान पर दो नौकर भी रखे। वह हर काम को बड़े आराम और सावधानी से करता था। फिर उसने अपना जूतों का कारखाना भी खोल लिया। उसने जूतों के काम में इतनी मेहनत की कि उसके जूतों का काम बढ़ता चला गया। जैसे-जैसे वह मेहनत और लगन से काम करता गया, वैसे-वैसे ही उसकी दुकान पर लोगों की संख्या बढ़ती चली गई।

5 हुआ सवेरा

(अभ्यास-उत्तर)

Page-37 (मौखिक)

(क) प्रस्तुत कविता सूर्योदय पर आधारित है जो हमें समय के महत्व, नई चेतना का विकास और आलस न करने की शिक्षा दे रही है।

(ख) सवेरा होने पर अँधेरा दूर हो जाता है।

(ग) कवि ने तगड़ा (बड़ा) नाम कमाने की बात कही है।

(घ) कवि ने नई कहानी सुनाने को कहा है।

(लेखनी)

1. (क) कवि ने ऐसे व्यक्ति को ढंग बदलने के लिए कहा है जो समय के महत्व को नहीं समझता, सदैव अपनी मस्ती में रहता है और हमेशा बुरे कामों में रहता है।

(ख) कवि ने बुरे काम छोड़कर राम का नाम भजने को कहा है।

(ग) हमें अपने मन को हरा-भरा रखना चाहिए क्योंकि अगर हमारा मन हरा-भरा रहेगा तो हमारा हर काम में मन लगा रहेगा और हम हर काम पूर्णतः कर पाएँगे।

(घ) कवि ने मरा-मरा रटने से मना किया है।

Page-38

2. हुआ सवेरा, गया अँधेरा,
सूरज रहा निकल
हाँ भई फक्कड़, लाल बुझक्कड़,
तू भी ढंग बदल।

3. (क) सूरज उगने पर <u>अँधेरा</u> मिट जाता है।

(ख) मेरा <u>सपना</u> है कि मैं बड़ा होकर डॉक्टर बनूँ।

(ग) मेरी दादी मुझे हर रोज़ <u>कहानी</u> सुनाती है।

(घ) राधा को पुराने <u>गीत</u> सुनने में बहुत आनंद आता है।

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

प्रतिदिन सुबह जल्दी उठने के फ़ायदे निम्नलिखित हैं–

- सुबह जल्दी उठने से आपका दिन बड़ा हो जाता है, आपको अपने काम पूरा करने के लिए ज़्यादा समय मिलता है।
- शरीर और स्वास्थ्य की परिचर्चा के लिए प्रातःकाल सबसे उत्तम समय होता है।
- मन की शांति के लिए भी सुबह का समय सबसे अच्छा है।
- सुबह जल्दी उठकर आप अतिरिक्त ऊर्जा पा सकते हैं, जो दिनभर आपको ऊर्जावान बनाए रखेगी, साथ ही खुशनुमा अहसास से भर देगी। जिससे आप सकारात्मकता महसूस करेंगे सो अलग।
- सुबह-सुबह का वातावरण और ऑक्सीजन आपके स्वास्थ्य के लिए फ़ायदेमंद होते हैं।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) अँधेरा (ख) कहानी
(ग) गीत (घ) प्रशंसा

Page-39

2.

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**
चिड़िया	सवेरा

खुशियाँ सूरज

किरणें आलस

3. (क) अपना काम स्वयं करना चाहिए।
   (ख) सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।
   (ग) समय पर खाना स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।
   (घ) स्कूल से सीधे घर जाना चाहिए।
   (ङ) भूखे को खाना देना अच्छी बात है।

(मन की बात)

- ट्रैफिक की आवाज़ तथा चहल-पहल से ध्वनि प्रदूषण होता है।
- चारों ओर हॉर्न, लोगों की आवाज़ें ही सुनाई पड़ती हैं।
- वातावरण में प्रात:काल की शांति भंग हो जाती है।
- वायु प्रदूषण होने लगता है, जो गाड़ियों से निकलने वाले धुएँ के कारण उत्पन्न होता है।

Page-40

(हँसते-गाते)

प्रकृति की सुंदरता सभी का मन हर लेती है। प्रात:काल उठते ही सूरज की किरणें, पक्षियों का चहचहाना, हरे-भरे वृक्षों का हवा के झोंकों से हिलना आदि सभी क्रियाएँ मनमोहक लगती हैं। प्रकृति हमारी सबसे अच्छी मित्र होती है जो धरती पर जीवन जीने के लिए सभी ज़रूरी संसाधन उपलब्ध कराती है। हमें प्रकृति की सुंदरता को बिगाड़े बिना ही इसका आनंद लेना चाहिए। प्रकृति हमें स्वस्थ जीवन जीने के लिए एक प्राकृतिक पर्यावरण उपलब्ध कराती है। इसलिए इसकी सुंदरता को बनाए रखना हमारा कर्तव्य है।

6 माँ की शिक्षा

(अभ्यास-उत्तर)

Page-43 (मौखिक)

(क) निशांत शरारती बालक था।
(ख) विद्यालय में डाँट पड़ने पर निशांत स्कूल न जाने की ज़िद करता था।
(ग) माँ ने घास दिखाकर निशांत से पूछा कि बताओ बेटा, इसे किसने उगाया है?

Page-44

(लेखनी)

1. (क) बस्ती के बच्चों को देखकर निशांत ने अपनी माँ से कहा कि माँ ये बच्चे भी तो बिना स्कूल गए ही बड़े हुए हैं, फिर आप मुझे विद्यालय क्यों भेजती हो?
   (ख) निशांत ने सूरजमुखी के पौधों के बारे में कहा कि माँ ये फूल तो बहुत सुंदर हैं क्योंकि आप इसमें नियम से खाद-पानी देती हो, इनकी देखभाल करती हो, इसलिए ये इतने सुंदर हैं।
   (ग) माँ ने सूरजमुखी के पौधे और घास की तुलना हमारे जीवन से की।
   (घ) प्रस्तुत कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में पढ़ाई

का बहुत महत्व है। शिक्षा के साथ-साथ व्यक्ति को कड़ा परिश्रम भी करते रहना चाहिए ताकि व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त कर सके।

2. (क) ✓ (ख) ✗
(ग) ✓ (घ) ✓

3. (क) माँ ने निशांत से कहा
(ख) निशांत ने माँ से कहा
(ग) माँ ने निशांत से कहा

Page-45

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यालय न जाने वाले बच्चों के बारे में मेरी यह सोच है कि प्रत्येक बच्चे को यह अधिकार है कि उसे विद्यालय में शिक्षा प्राप्त हो। सरकार ने भी छह से चौदह वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए अनिवार्य तथा नि:शुल्क शिक्षा का प्रावधान किया है। किंतु किसी कारणवश ऐसे बच्चे शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते। उन कारणों को जानना अत्यंत आवश्यक है। नहीं, मैं विद्यालय नहीं जाने वाले बच्चों को देखकर खुश नहीं होती।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) सुंदर (ख) माँ
(ग) पसंद (घ) चाँदी
(ङ) मंगल (च) गाँठ

2. (क) वह (ख) उसे
(ग) ये (घ) उसका
(ङ) आप

3. (क) शिक्षा कभी न रुकने वाली प्रक्रिया है।
(ख) हमारे सभी अध्यापक बहुत अच्छा पढ़ाते हैं।
(ग) मेरे विद्यालय का नाम दून पब्लिक स्कूल है।
(घ) फूल रंग-बिरंगे तथा बहुत सुंदर होते हैं।

Page-46

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

7 नटखट गधा

(अभ्यास-उत्तर)

Page-49 (मौखिक)

(क) धोबी के पास नटखट गधा था।
(ख) गधा चींपों-चींपों की आवाज़ निकालता था।
(ग) नटखट ने सरकस का नाम पहली बार सुना था।

(लेखनी)

1. (क) जब गधे के पास काम नहीं होता

था तो वह दिन भर धोबीघाट के पास वाले मैदान में घास चरता और दौड़ लगाता रहता।

(ख) नटखट ने सरकस के बारे में पता किया किंतु उसे ठीक से कोई बता नहीं पाया। फिर वह अगले दिन सरकस के पीछे पहुँच गया और धीरे से तंबू के एक कोने से अपना सिर अंदर घुसा दिया।

Page-50

(ग) गधे ने सरकस में देखा कि स्टेज पर हाथी, भालू, कुत्ते और तोते करतब दिखा रहे हैं।

(घ) मैनेजर ने धोबी को दस हज़ार रुपए दिए क्योंकि उसका गधा सरकस का अच्छा कलाकार बन सकता था।

2. (क) अ (ख) अ
   (ग) ब

3. (क) हाँ (ख) नहीं
   (ग) हाँ (घ) नहीं
   (ङ) हाँ

Page-51

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

हाँ! क्योंकि दूसरों की खुशी में खुश रहकर मन को राहत मिलती है। जो दूसरों की खुशी में खुश रहते हैं, उन्हें कम तनाव रहता है, मानसिक शांति और आनंद का अनुभव होता है। उनका जीवन संतोषपूर्ण होता है। दूसरों की छोटी-छोटी-सी खुशी में खुश रहना ही हमारे जीवन का उद्देश्य है। कहा जाता है दुख और खुशी सबके जीवन में आती है। मगर हम अपने दुखों को भूलाकर दूसरों के साथ खुशियाँ बाँटें तो दूसरे भी अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) घृणा (ख) कठिन
   (ग) अविश्वास (घ) सम्मान
   (ङ) मरण (च) पराया

2. (क) नर, मानव
   (ख) खुशी, प्रसन्नता
   (ग) वनराज, सिंह
   (घ) गज, गजेन्द्र

3. (क) कल मेरे पिता जी को आना है।
   (ख) मेरी कॉफ़ी में कुछ गिर गया है।
   (ग) बच्चा छत से गिर गया।
   (घ) तुम्हें हमसे क्या काम है?
   (ङ) आकाश में बिजली चमक रही है।

Page-52

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(मन की बात)

कभी-कभी आपकी खुशी आपकी मुस्कान का कारण होती है, लेकिन कभी-कभी आपकी मुस्कान आपकी खुशी का स्रोत होती है। यह वाक्य सत्य है– अगर हम किसी की तरफ़ मुसकराकर देखें, तो दूसरों के मन को शांति मिलती है और उसके जीवन को एक नई प्रेरणा मिलती है। ऐसा करने से हमें दूसरों से ज़्यादा खुशी का अनुभव होता है।

Page-53

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 तीन सवाल

(अभ्यास-उत्तर)

Page-57 (मौखिक)

(क) मंत्री ने अकबर से प्रार्थना की।
(ख) मंत्री तीन सवाल बीरबल से पूछना चाहता था।
(ग) मंत्री मुख्य सलाहकार का पद पाना चाहता था।

(लेखनी)

1. (क) अकबर ने सभी दरबारियों से दरबार के अलग-अलग पदों एवं मंत्री पदों के बारे में विचार-विमर्श करने की बात कही।
(ख) बीरबल ने पहले सवाल के लिए एक भेड़ मँगवाई और जवाब देते हुए कहा कि भेड़ के शरीर पर जितने बाल होंगे आकाश में उतने ही तारे होंगे।
(ग) बीरबल ने दूसरे सवाल का जवाब देने के लिए ज़मीन पर कुछ लकीरें खींचीं और एक लोहे की छड़ को ज़मीन पर गाड़कर कहा कि इसी जगह धरती का केंद्र है।
(घ) बीरबल ने तीसरे सवाल के जवाब में कहा, "जहाँपनाह! दुनिया में कुछ लोग ना तो स्त्री की श्रेणी में आते हैं, ना ही पुरुष की श्रेणी में। जैसे कि ये मंत्री जी! ये महापुरुष हैं। यदि आप इनको मौत के घाट उतरवा दें, तो मैं स्त्री-पुरुष की सही-सही गिनती बता सकता हूँ।"

Page-58

2. (क) स (ख) अ
(ग) अ
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

परीक्षा में घबराने से हम प्रश्नों के उत्तर ठीक से नहीं दे पाते। आते हुए उत्तर हम घबराहट में गलत लिख देते हैं। हम सभी उत्तरों के जवाब नहीं दे पाते तथा उत्तर भूल जाते हैं। आते हुए उत्तरों के प्रति हमारा आत्मविश्वास डगमगाने लगता है जिस कारण हम किसी प्रश्न का कोई और उत्तर लिख आते हैं।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) मंत्री (ख) बीरबल
(ग) मंत्री (घ) अकबर

Page-59

2. (क) (v) (ख) (vi)
(ग) (i) (घ) (vii)
(ङ) (ii) (च) (iv)
(छ) (iii)
3. (क) शुद्ध (ख) पत्ता
(ग) संख्या (घ) पदस्थ
(ङ) स्वतंत्र

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 जंगल की आज़ादी

(अभ्यास-उत्तर)

Page-63 (मौखिक)

(क) जंगल में खुशियाँ आज़ादी के लिए छाई थीं।
(ख) जंगल के जानवरों ने वन को सजाया था।
(ग) प्रस्तुत कविता आज़ादी पर आधारित है।
(घ) आज़ादी का दिन जानवरों के लिए आया था।

(लेखनी)

1. (क) बंदर मामा ने मंच इसलिए बनाया था क्योंकि सभी जानवरों को राष्ट्रगान गाना था।
(ख) वनराजा ने सलामी लेते समय आज़ादी के लिए मर मिटने का पाठ पढ़ाया।
(ग) नारे देश की खातिर गूँज रहे थे।
(घ) जंगल में बताशे और मिठाइयाँ बँटीं क्योंकि जंगल के लोगों के लिए आज़ादी का दिन था।

2. (क) अ (ख) ब
(ग) स

Page-64

3. (क) कदम ताल से ताल मिलाकर,
बजे बैंड शहनाई।
ढोलक बोली ताक धिना-धिन,
नाच उठा लोमड़ भाई।
(ख) बंदर मामा ने सुंदर सा,
ऊँचा मंच बनाया।
कोयल, मोर, पपीहे ने मिल,
राष्ट्रगान था गाया।

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

जानवरों के लिए भी आज़ादी उतनी ही प्यारी होती है जितनी कि मनुष्य के लिए, क्योंकि आज़ाद पशु-पक्षी भी अपनी सभी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं। वे भी इधर से उधर, इस डाल से दूसरी डाल पर घूमना व बैठना चाहते हैं। वे भी हर बंधन से मुक्त होना चाहते हैं। वे हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाना चाहते हैं। जानवर भी अपनी पसंद के अनुसार अलग-अलग ऋतुओं में फलों को खाना चाहते हैं। इसलिए पशु-पक्षियों के लिए भी आज़ादी ज़रूरी है।

Page-65

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) जंगल में तरह-तरह के लोग रहते हैं।
(ख) जंगल के जानवरों के लिए आज़ादी का दिन आया था।
(ग) जंगल के जानवरों ने एक होने की शपथ खाई।
(घ) जंगल में तरह-तरह की मिठाइयाँ बँट रही थीं।

2. (क) गज, गजेन्द्र (ख) मयूर, कलापी
(ग) स्वतंत्रता, स्वाधीनता
(घ) इच्छा, अभिलाषा

3. (क) पढ़ना (ख) बैठा
(ग) सिलता (घ) गिरता, बहती
(ङ) रोने

4. आज़ादी, हँसी-खुशी, बंदर, देश, मिठाइयाँ

Page-66

(मन की बात)

1.	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
2.	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी

3. शिक्षक दिवस — 5 सितंबर
4. महात्मा गांधी जन्म दिवस — 2 अक्टूबर
5. विश्व हिंदी दिवस — 10 जनवरी

(हँसते-गाते)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

10 राधा की चिड़िया

(अभ्यास-उत्तर)

Page-70 (मौखिक)

(क) हाँ, मैंने अपने गाँव में खेत देखे हैं।
(ख) चुनमुन चिड़िया कीड़ों की तलाश में आती थी।
(ग) किसान ने मटर को बचाने के लिए उन पर कँटीले झाड़ डाल दिए।
(घ) चिड़िया ने दाना इसलिए नहीं खाया क्योंकि वह कीड़ों की तलाश में आती थी।

(लेखनी)

1. (क) मंगलू किसान का खेत बनारस के पास एक गाँव में था।
(ख) राधा को रोज़ चुनमुन चिड़िया दिखाई देती थी।
(ग) चिड़िया मटर तक इसलिए नहीं पहुँच पाई क्योंकि किसान ने उन पर कँटीले झाड़ डाल दिए थे।

Page-71

(घ) चिड़िया छिलकों में कीड़े ढूँढ़ती थी।
(ङ) चिड़िया की प्रशंसा में किसान ने कहा कि चिड़िया बड़ी मेहनती है। वह कहीं न कहीं से भोजन ढूँढ़ ही लाएगी।

2. (क) ✓ (ख) ✗
(ग) ✗ (घ) ✓
(ङ) ✓

(जीवन-मूल्य)

हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ कि हमें पशु-पक्षियों के प्रति करुणा की भावना रखनी चाहिए, क्योंकि वे भी हमसे प्यार तथा अपनत्व की आशा रखते हैं। वे न तो कुछ बोल सकते हैं तथा न ही अपनी पीड़ा हमें बता सकते हैं। इसलिए हमें उनके प्रति संवेदनशीलता तथा करुणा भाव रखना चाहिए। पशु-पक्षी मनुष्य से अधिक वफ़ादार तथा हमारे अच्छे मित्र बनने के योग्य होते हैं।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) मंगलू किसान की बेटी का नाम राधा था।
(ख) वर्षा ऋतु बीत चुकी थी।
(ग) वहाँ चुनमुन चिड़िया रोज़ आती थी।
(घ) किसान का खेत बनारस के पास था।
(ङ) चिड़िया को अपने नन्हें बच्चों के लिए कीड़े चाहिए होते हैं।

Page-72

2. (क) बेटा (ख) निंदा
(ग) नापसंद (घ) खुश

3. (क) बेटियाँ (ख) पौधे
(ग) दवाइयाँ (घ) चिड़िया

(मन की बात)

यदि मैं राधा की जगह होती तो चिड़िया की

मदद के लिए पहले से ही चिड़िया के भोजन के लिए भरे हुए मटर के दानों से कीड़े निकालकर खेत से अलग किसी बरतन में रख देती ताकि चिड़िया को अपने बच्चों के लिए भोजन ढूँढ़ने में ज़्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। ऐसे करने से फ़सल भी खराब होने से बच जाती।

(हँसते-गाते)

क. केला ख. गाजर
ग. हरी मिर्च घ. चने
ङ दही और अंडे
च. घास छ. रोटी

11 हम सब सुमन एक उपवन के

(अभ्यास-उत्तर)

Page-75 (मौखिक)

(क) कविता का नाम 'हम सब सुमन एक उपवन के' तथा कवि का नाम 'द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी' है।

(ख) हमें एक सूत्र में बँधकर रहना चाहिए।

(ग) हमें फूलों की तरह जीना चाहिए।

(घ) कवि ऐसी मिट्टी में जन्म लेने की बात कर रहा है जिसे एक ही जल से सींचा जाए तथा जिसपर एक समान धूप भी पड़े।

(लेखनी)

1. (क) 'हम सब सुमन एक उपवन के' से कवि का तात्पर्य है कि हम सब भारत देश के नागरिक हैं।

(ख) कवि ने बगीचे तथा फूलों की यह विशेषता बताई है कि उपवन की मिट्टी फूलों के लिए समान होती है तथा एक ही समान धूप उपवन व फूलों पर पड़ती है और फूलों को एक ही जल से सींचा जाता है। रंग-बिरंगे फूल मिलकर बगीचे की शोभा बढ़ाते हैं। फूल तथा उपवन एक ही गगन के नीचे रहते हैं।

(ग) अंतिम पंक्तियों में कवि ने फूलों की यह विशेषता बताई है कि फूल धनवान तथा निर्धन व्यक्तियों में किसी प्रकार का कोई भेद नहीं करते। उनकी सुगंध भी सभी के लिए समान होती है।

Page-76

(घ) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि हमें यह संदेश देना चाहता है कि जिस प्रकार उपवन में रंग-बिरंगे फूल उसकी शोभा बढ़ाते हैं उसी प्रकार हम सभी देशवासियों को एकता तथा भाईचारे की भावना रखकर अपने देश में समता का भाव रखना चाहिए।

2. (क) रंग-रंग के रूप हमारे
अलग-अलग हैं क्यारी-क्यारी,
लेकिन हम सबसे मिलकर ही
इस उपवन की शोभा सारी

(ख) काँटों से मिलकर हम सबने अलग-अलग हैं क्यारी-क्यारी, हँस-हँसकर जीना सीखा, लेकिन हम सबसे मिलकर ही एक सूत्र में

बँधकर हमने इस उपवन की शोभा सारी। हार गले का बनना सीखा।

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

आपस में मिल-जुलकर रहने से एक दूसरे के प्रति विश्वास बना रहेगा और मदद करने की भावना का भी विकास होगा। दूसरों के साथ मिल-जुलकर रहने से आप जब भी किसी परेशानी में हो, तो अपने आस-पास के लोग तथा अपने मित्रों से सहायता ले सकते हैं। हमें भी बगीचे के फूलों की तरह एक-दूसरे के साथ हँसी-खुशी रहना चाहिए।

Page-76-77

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) सूरज (ख) चाँद
(ग) माली (घ) फूल
(ङ) जल

Page-77

2. (क) धरा, वसुधा
(ख) पुष्प, सुमन
(ग) बाग, बगीचा
(घ) हवा, समीर

3. (क) ✓ (ख) ✗
(ग) ✗ (घ) ✓
(ङ) ✓

4. (क) मैं अपने-आप विद्यालय जाता हूँ। अपने-आप काम करने से व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है।
(ख) उसने तुम्हें उपहार में क्या दिया? तुम्हें सब्ज़ी खरीदने बाज़ार जाना है।
(ग) हम आज घूमने गए। हम कल आगरा जाएँगे।
(घ) जो जैसा करेगा, वह वैसा भरेगा। जो बच्चा पिकनिक पर जाना चाहता है, वह अपने अभिभावक की अनुमति लेकर आए।

Page-78

(मन की बात)

हाँ, मैं इससे सहमत हूँ कि हमें भी अलग-अलग जाति व धर्मों को मिलाकर देश की एकता की शोभा बढ़ानी चाहिए। देश की एकता राष्ट्र को सशक्त एवं संगठित बनाती है। हमें एक-दूसरे के साथ परस्पर मेल-जोल बनाकर रखना चाहिए। जितनी भिन्नताएँ हमारे देश में उपलब्ध हैं उतनी शायद ही विश्व के किसी अन्य देश में देखने को मिलें। यहाँ अनेक जातियाँ व संप्रदायों के लोग, जिनके रहन-सहन, खान-पान व वेशभूषा पूर्णतया भिन्न हैं, वे एक साथ निवास करते हैं। अत: हमें जाति व धर्म से ऊपर उठकर देश में राष्ट्रीय एकता तथा भाईचारा बनाए रखना चाहिए। भारत जैसे विकासशील देश के लिए जो वर्षो तक दासत्व का शिकार रहा है, वहाँ राष्ट्रीय एकता की संपूर्ण कड़ी का मज़बूत होना अति आवश्यक है।

(हँसते-गाते)

ये प्रकृति कुछ कहना चाहती है हमसे
ये हवाओं की सरसराहट
सुबह की चिड़ियों की चहचहाहट
सूरज की निकलती हलकी धूप
फैलाती रोशनी सब फूलों पर
कुछ कहना चाहती है हमसे
देखों, चारों ओर फैली हरियाली
और बहता नदी, तालाबों का पानी।
ये बारिश में नाचते सुंदर मोर,
कुछ कहना चाहती है हमसे
ये प्रकृति कुछ कहना चाहती है हमसे
ये मौसम की हलचल
ये पर्वत की चोटियाँ
कुछ कहना चाहती हैं हमसे
ये प्रकृति कुछ कहना चाहती है हमसे।

12 हमारा पड़ोसी देश–नेपाल

(अभ्यास-उत्तर)

Page-83 (मौखिक)

(क) नेपाल हिमालय की गोद में बसा हुआ है।

(ख) काठमांडू को उत्सवों का शहर कहा जाता है।

(ग) काठमांडू की सबसे महत्वपूर्ण सड़क का नाम फ्रीक स्ट्रीट है।

(घ) नेपाल में भ्रमण के लिए अक्तूबर-नवंबर के महीने सर्वश्रेष्ठ हैं।

(लेखनी)

1. (क) काठमांडू में कई मंदिर होने के कारण वहाँ मंदिरों की घंटियाँ तथा शंख ध्वनि के स्वर गूँजते रहते हैं। यहाँ एक ओर कांटीपथ पश्चिम से विश्वामित्री नदी की ओर प्राकृतिक छटाओं का अंबार है, तो दूसरी ओर बेनाम सड़कों और सँकरी गलियों का अंबार है। काठमांडू उत्सवों का भी शहर है।

(ख) नेपाल में हिंदू उत्सव धूमधाम से मनाए जाते हैं। अक्तूबर माह में पूरे नेपाल में दसिन पर्व मनाया जाता है तथा इस अवसर पर पशुओं की बड़ी संख्या में बलि दी जाती है। तिहार यहाँ का दूसरा प्रमुख पर्व है जो नवंबर माह में मनाया जाता है। इस उत्सव में पशुओं की बलि न देकर उनकी पूजा की जाती है। बुद्ध जयंती भी यहाँ धूमधाम से मनाई जाती है।

(ग) काठमांडू मंदिरों का शहर है। यहाँ दरबार स्क्वायर में मंदिरों और दरगाहों की अच्छी खासी तादाद है। यहाँ के मंदिरों के दरवाज़े और खिड़कियों पर बारीक नक्काशी की गई है। 12वीं सदी में बना 'काष्ठमंडप' दर्शनीय है। जगन्नाथ मंदिर भवय नक्काशी के लिए जाना जाता है। काला भैरव का मूर्ति और तलेजू मंदिर भी प्रमुख हैं। काठमांडू का पशुपतिनाथ का मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। इन्हीं कारणों से काठमांडू मंदिरों का शहर है।

Page-84

(घ) नेपाल के लोग गोरखे और शेरपा हैं। गोरखों का कद मझोला होता है। उनकी नाक कुछ चपटी होती है। वे हृष्ट-पुष्ट होते हैं। शेरपा भी हट्टे-कट्टे और परिश्रमी होते हैं।

(ङ) नेपाल के तराई इलाकों में धान, जूट और गन्ने की खेती होती है। नदियों की घाटी में गेहूँ, मक्का और अफ़ीम की खेती होती है। नेपाल में कोयला, ताँबा गंधक, सीसा और लोहा जैसे खनिज पदार्थ भी मिलते हैं।

2. (क) एक करोड़

(ख) त्रिभुवन

(ग) दरबार स्क्वायर

(घ) दसिन पर्व

(ङ) नासल चौक

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) नेपाल–व्यक्तिवाचक,
देश–जातिवाचक

(ख) भाववाचक

(ग) जातिवाचक

(घ) हनुमान–व्यक्तिवाचक,
प्रतिमा–जातिवाचक

Page-85

2.

विशेषण	विशेष्य
(क) सुरम्य	घाटियों
(ख) सँकरी	गलियाँ
(ग) बुरी	आत्माओं
(घ) विशाल	प्रतिमा

3.

(क) उत्सव	(ख) मंदिर
(ग) पशु	(घ) त्योहार
(ङ) इलाका	(च) सड़क

4. (क) ताजमहल में संगमरमर के पत्थरों पर की गई नक्काशी दर्शकों का मन मोह लेती है।

(ख) भारत में कई दर्शनीय स्थल ऐसे हैं जिन्हें विदेशी पर्यटक खूब देखते हैं।

(ग) लौह स्तंभ दिल्ली में कुतुबमीनार के निकट स्थित एक विशाल स्तंभ है।

(घ) रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का ऐसा त्योहार है, जिसमें बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती है तथा भाई अपनी बहन को उसकी रक्षा का वचन देता है।

(मन की बात)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-86 (हँसते-गाते)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. **भूटान**

भूटान चारों तरफ़ से दर्शनीय स्थलों से घिरा हुआ पर्वतीय क्षेत्र है। यहाँ सबसे ऊँची चोटी कुला कांगरी है, जो कि 7553 मीटर ऊँची है। इस देश का सबसे बड़ा शहर इसकी राजधानी थिंपू है। यहाँ के मैमोरियल चोरटन स्तूप का निर्माण भूटान के तीसरे राजा जिगमे दोरजी वांगचुक की स्मृति में कराया गया। इस स्मारक की मूर्तियाँ एवं चित्र दर्शनीय हैं। सिमटोका जोंग बौद्ध मंदिर के कलात्मक चित्र पर स्थापित है, जिसे बुद्धा पॉइंट कहते हैं। यहाँ से थिंपू शहर अत्यंत सुंदर दिखाई देता है। बुद्धा पॉइंट के पास ही नेचर पार्क है। यह पार्क भूटान के हालिया राजा के शाही विवाह को समर्पित है। भूटान के राष्ट्रीय ग्रंथालय में यहाँ के इतिहास व संस्कृति से संबंधित दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथ, अभिलेख आदि बड़ी संख्या में संग्रहीत हैं। पुनाखा भूटान का एक प्रमुख शहर है, जो कि इसकी पहली राजधानी था।

सिक्किम

सिक्किम राज्य है तो छोटा, लेकिन यहाँ के नज़ारे लाजवाब हैं। इसकी खूबसूरती की वजह से इसे अकसर पूर्व का स्विट्रलैंड भी कहा जाता है। सिक्किम का गंगटोक शहर समुद्र तल से 1800 मी. की ऊँचाई पर स्थित है। यहाँ का प्राकृतिक दृश्य अलौकिक है। एनके मोनेस्ट्री में देवी-देवताओं की सुंदर भव्य मूर्तियाँ, पुस्तकालय तथा लामन्ताव्य से संबंधित मुखौटे आदि दिखाई देते हैं। इस मोनेस्ट्री के निकट स्थित डियर पार्क में भगवान बुद्ध की प्रतिमा भी देखी जा

सकती है। यहाँ की रूमटेक गुफ़ा विश्व की श्रेष्ठतम गुफ़ाओं में से एक है, जो कि गंगटोक से 37 कि.मी. की दूरी पर उत्तर दिशा में स्थित है। केचपुरी प्राकृतिक दृश्यों से परिपूर्ण झील है, वहीं बौद्ध विहार की दीवारों पर विभिन्न भित्ति चित्र बने हुए हैं तथा मूर्तियाँ भी स्थापित हैं।

13 बुद्धि और विद्या

(अभ्यास-उत्तर)

Page-91 (मौखिक)

(क) पहले ने व्याकरण पढ़ी, दूसरे ने ज्योतिष विद्या, तीसरे ने वैद्य की विद्या तथा चौथे ने न्याय की विद्या ग्रहण की।

(ख) चारों मित्र अपना सामान घोड़ी पर लादते थे।

(ग) राजा ने चारों मित्रों के लिए खाने-पीने का सामान एवं कुछ नकद रुपये तथा भोजन बनबाकर धर्मशाला भेजा।

(लेखनी)

1. (क) वैद्य जी सब्ज़ी लेने बाज़ार गए। बाज़ार में तोरी, भिंड़ी, करेले, परवल, बैंगन, कद्दू, मटर, पालक और आलू आदि बिक रहे थे। वह उनमें कोई-न-कोई दुर्गण निकालते रहे और अंत में बिना कोई सब्ज़ी खरीदे ही वह बाज़ार से वापस लौट आए।

(ख) व्याकरण के पंडित ने खिचड़ी इसलिए फेंक दी क्योंकि जब खिचड़ी पक रही थी तब उसमें से बहुत 'खद्बद-खद्बद' की आवाज़ आ रही थी। वह आवाज़ पंडित से सहन नहीं हुई।

(ग) ज्योतिषी ने अपनी विद्या से घोड़ी का पता लगाया। लेकिन जब उसे पता चला घोड़ी पहाड़ी के दूसरी तरफ़ उतर गई है तब उसने साोचा घोड़ी न जाने कितनी दूर चली गई होगी। अब उसका पीछा करना बेकार है।

(घ) न्याय विद्या ग्रहण करने वाले ने घी खरीदा और उसने घी की जाँच बर्तन उलटा करके की, जिसके कारण सारा घी नीचे गिर गया।

Page-92

2. (क) ब (ख) ब
(ग) स

3. (क) आराम (ख) सब्ज़ी
(ग) नीम (घ) पहाड़ी

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-93

(भाषा-ज्ञान)

1. (ख) दाल और चावल
(ग) पूजा और पाठ
(घ) सोच और विचार

(ङ) सोच और समझकर

2. (क) (iii) (ख) (v)
(ग) (vi) (घ) (i)
(ङ) (ii) (च) (iv)

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. पुल्लिंग– आदमी, बच्चा, कंबल
स्त्रीलिंग– दादी, आँधी, धूप

Page-94

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

14 रोबोट

(अभ्यास-उत्तर)

Page-98 (मौखिक)

(क) प्रतीक के पापा उसके लिए रोबोट लाए थे।

(ख) प्रथम पुरस्कार पाकर भी प्रतीक इसलिए दुखी था, क्योंकि उसने प्रथम पुरस्कार मिलने की खुशी को रोबोट के साथ बाँटा। लेकिन रोबोट चुपचाप खड़ा रहा और उसने कोई भाव व्यक्त नहीं किया।

(ग) प्रतीक रोबोट से सुनना चाहता था कि, "वाह दोस्त! तुमने तो कमाल कर दिया।"

(लेखनी)

1. (क) प्रतीक की प्रसन्नता का कारण उसके पिता का प्रतीक को रोबोट देना था तथा प्रतीक द्वारा दिए गए आदेशों का रोबोट द्वारा पालन करना था।

(ख) रोबोट शतरंज खेलना, अलमारी में जूते रखना आदि प्रतीक के सारे काम करता था।

(ग) प्रतीक ने अपना प्रमाण-पत्र रोबोट को इसलिए पकड़ाया था क्योंकि वह रोबोट को अपना दोस्त समझता था और चाहता था कि उसके प्रमाण-पत्र और शील्ड को देखकर रोबोट खुश होकर उससे कहे, " वाह दोस्त! तुमने तो कमाल कर दिया।"

(घ) रोबोट प्रतीक की सफलता पर खुश इसलिए नहीं था क्योंकि वह मशीनी मानव था। वह हर्ष, शोक, रोमांच आदि भाव प्रकट नहीं कर सकता था।

(ङ) रोबोट एक मशीनी मानव था। वह हमारे बताए गए सारे कार्य तो कर सकता था, लेकिन हर्ष, शोक, रोमांच आदि भाव प्रकट नहीं कर सकता था। यह सच्चाई प्रतीक को मालूम नहीं थी।

Page-99

2. (क) अ (ख) अ

3. (क) माँ ने प्रतीक से
(ख) पिता ने प्रतीक से
(ग) प्रतीक ने रोबोट से

(घ) प्रतीक ने रोबोट से

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-100

(जीवन-मूल्य)

अगर हम प्रतीक के स्थान पर होते तो रोबोट को पाकर हम भी बहुत खुश होते, क्योंकि वह हमारे आदेश अनुसार सभी कार्य करता। हमें किसी भी काम को करने की ज़रूरत नहीं पड़ती। हम भी स्कूल से आते और अपना समान जैसे– जूते, स्कूल बैग, ड्रैस, टाई आदि रोबोट से रखवाते और एक आनंदमय जीवन व्यतीत करते।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) भीड़ (ख) भड़क्का
   (ग) दौड़ (घ) उमड़ना
   (ङ) डरपोक (च) सूँड़
   (छ) डाक (ज) सड़क
   (झ) डिब्बा
2. (क) रोबोट (ख) प्रमाण
   (ग) बाँटना (घ) सच्चाई

Page-101

3. (ख) कीलें (ग) कमरे
   (घ) मेज़ें (ङ) रिक्शे
   (च) बातें (छ) चेहरे
   (ज) बाँहें
4.

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**
धरती	सेठ
बंदरिया	ऊँट
बालिका	बगीचा
पेंसिल	सोना

5. (क) शाम (ख) हँसना
   (ग) अप्रसन्न (घ) अंधकार
   (ङ) दुश्मन (च) असफल
6. (क) प्रतीक ने रोबोट को आश्चर्य से देखा।
   (ख) रोबोट हर्ष का भाव प्रकट नहीं कर सकता था।
   (ग) प्रतीक को स्कूल प्रतियोगिता में शील्ड और प्रमाण-पत्र मिला था।
   (घ) वाह दोस्त! तुमने तो कमाल कर दिया।
   (ङ) रोबोट पाकर प्रतीक बहुत खुश था।

Page-102

7.

्र	र्‍
प्रणाम	गर्व
प्रतीक्षा	हर्ष
र	**्र**
शहर	ट्राम
कैमरा	ट्रक

(मन की बात)

1. प्रस्तुत कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी दुख में परेशान नहीं होना चाहिए, क्योंकि प्रस्तुत कहानी में एक रोबोट के बारे में बताया गया है। वह एक संवेदनहीन रोबोट है। रोबोट और मानव में कुछ मूलभूत अंतर होते हैं। रोबोट एक मशीनी मानव है। वह हमारे सारे कार्य तो कर सकता है, लेकिन हर्ष, शोक, रोमांच आदि भाव प्रकट नहीं कर सकता। इसलिए हमें हर चीज़ में विवेकशीलता बरतनी चाहिए।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

1. रोबोट एक मशीनी मानव यंत्र है।
2. रोबोट हर्ष, शोक, रोमांच आदि भाव प्रकट नहीं कर सकता।
3. रोबोट हमारे अन्य प्रकार के सभी कार्य कर सकता है (जैसे– पुस्तक उठाना, बैग उठाना आदि)।
4. रोबोट साँस नहीं ले सकता।
5. रोबोट सो नहीं सकता।